

कोरोना काल में पर्यावरणीय मुद्दे : अवसर एवं चुनौतियाँ :

एक भौगोलिक अध्ययन

(भारत के विशेष संदर्भ में)

डॉ॰ सुमन सिंह,

असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चरखारी, जनपद : महोबा (उ॰ प्र॰)

drsumansinghs@gmail.com

Abstract: कोविड-19 महामारी ने विश्व की सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय संरचना को व्यापक रूप से प्रभावित किया। महामारी के दौरान लागू लॉकडाउन के कारण मानवीय गतिविधियों में अचानक कमी आई, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरणीय दशाओं में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिले। वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण में कमी आई तथा प्राकृतिक संसाधनों को पुनर्जीवित होने का अवसर मिला। दूसरी ओर जैव-चिकित्सीय कचरे, प्लास्टिक प्रदूषण एवं संसाधनों के असंतुलित उपयोग जैसी नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुईं। प्रस्तुत शोध पत्र में कोरोना काल के पर्यावरणीय प्रभावों का भौगोलिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया गया है। इसमें मानव-पर्यावरण संबंध, क्षेत्रीय असमानताएँ, प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग तथा सतत विकास की अवधारणा का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन से स्पष्ट होता है कि महामारी ने मानव और प्रकृति के मध्य संतुलन की आवश्यकता को पुनः स्थापित किया है।

मुख्य शब्द : कोविड-19, पर्यावरण, भूगोल, लॉकडाउन, प्रदूषण, सतत विकास, जैव विविधता, महामारी, संतुलन एवं दोहन आदि ।

